चागोस द्वीपसमूह और डिएगो गार्सिया द्वीप

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, **यूनाइटेड किंगडम (UK)** ने रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण **चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस** को सौंपने की घोषणा की।

- **हालाँकि, ब्रिटेन** डिएगो गार्सिया द्वीप पर **संप्रभुता का अधिकार** बनाए रखेगा।

चागोस द्वीपसमूह के संबंध में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **चागोस द्वीपसमूह की भौगोलिक स्थिति:** इसमें **58 द्वीप** शामिल हैं और यह हिंद महासागर में मालदीव से लगभग **500 किमी दक्षिण में स्थित है।**
- **चागोस द्वीपसमूह का इतिहास:** फ्राँसीसी लोग **वर्ष 1715** में **चागोस द्वीपसमूह** के साथ मॉरीशस में उपनिवेश स्थापित करने वाले पहले लोग थे।
  - 18वीं शताब्दी के अंत में, फ्राँसीसियों ने नव स्थापित **नारियल बागानों में कार्य करने हेतु अफ्रीका और भारत** से **दास श्रमिकों को लाया।**
  - हालाँकि, फ्राँस के **नेपोलियन बोनापार्ट** के पतन के बाद **वर्ष 1814 में ब्रिटेन** ने इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया था।
  - वर्ष 1965 में, ब्रिटेन ने ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT) का गठन किया, जिसमें चागोस द्वीप समूह एक केंद्रीय हिस्सा था।
- **चागोस पर मॉरीशस का दावा:** प्रशासनिक कारणों से, चागोस मॉरीशस का हिस्सा था, जो हिंद महासागर में एक अन्य ब्रिटिश उपनिवेश था।
  - जब **वर्ष 1968** में **मॉरीशस को स्वतंत्रता प्राप्त हुई, तो चागोस ब्रिटेन** के पास रहा, जिसने **मॉरीशस को "सेना की टुकड़ी"** के लिये **3 मिलियन** पाउंड का अनुदान दिया।
- **चागोस और डिएगो गार्सिया का सामरिक महत्त्व: वर्ष 1966** में, ब्रिटेन ने सैन्य उद्देश्यों के लिये BIOT का उपयोग करने हेतु **संयुक्त राज्य अमेरिका** के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये।
  - इसके बाद, डिएगो गार्सिया में **बागान बंद कर दिये गए** और किसी भी व्यक्ति के लिये बिना परमिट के डिएगो गार्सिया में प्रवेश करना या रहना गैरकानूनी हो गया।
  - द्वीपसमूह का सबसे बड़ा डिएगो गार्सिया **वर्ष 1986 में पूर्णतः कार्यशील सैन्य अड्डा** बन गया।
  - वर्ष 2001 में अमेरिका पर **अल-कायदा के 11 सितंबर के हमलों के बाद** अमेरिका के विदेश में चलाए गए **"आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध"** अभियानों में यह एक प्रमुख स्थान था।
- **यूनाइटेड किंगडम पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव:** अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) द्वारा वर्ष 2019 में प्रकाशित एक सलाहकार राय के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम को छह महीने के भीतर इस क्षेत्र से अपने **औपनिवेशिक प्रशासन को बिना शर्त हटाने** के लिये कहा गया था।
  - ICJ ने फैसला सुनाया कि वर्ष 1965 में मॉरीशस की स्वतंत्रता से पहले चागोस को मॉरीशस से अलग करना अवैध था।

यूके-मॉरीशस समझौते के मुख्य बिंदु क्या हैं?

- **चागोस पर संप्रभुता:** इस समझौते से मॉरीशस को **डिएगो गार्सिया द्वीप** को छोड़कर शेष द्वीपसमूह पर **पूर्ण संप्रभुता** प्राप्त हो गई है।
- **चागोसवासियों का पुनर्वास:** मॉरीशस अब डिएगो गार्सिया को छोड़कर चागोस द्वीपसमूह पर **लोगों को पुनर्स्थापित कर सकता है,** जहाँ ब्रिटेन ने अमेरिकी नौसैनिक अड्डे के लिये **2,000 द्वीपवासियों को** बेदखल कर दिया था।
- **ट्रस्ट फंड:** ब्रिटेन ने चागोस के लोगों के लाभ के लिये एक **नया ट्रस्ट फंड विकसित** करने का भी वादा किया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chagos-archipelago-and-diego-garcia-island